

Wind begleitet MBh. 7, 887. मरुमेवाविवेदीर्षो मिश्रवातो 3492. Vgl. झ०, उन्मिश्र, वि०, व्या०, सं०, समुन्मिश्र, तिल०, पन्मिश्र, पाद०. — b) wie शह्ल-कीबद्रीमिश्र काननम् (R. 2, 35, 8) ein mit Çall. und Bad. vermischter Wald so v. bedeutet als ein Wald, der ausser Çall. und Bad. noch andere weniger nennenswerthe Bäume enthält, so ist मरीचिमिश्रा ऋषयः BHĀG. P. 1, 6, 31 so v. a. Rshi's mit Marīki an der Spitze und मरीचिमिश्राः ohne subst. 6, 13, 21 so v. a. Marīki und die Uebrigen, Mar. nebst Genossen. शार्ङ्गर्वमिश्राः ÇĀK. 48, 21, 32, 1. In Verbindung mit ehrenden Beiwörtern so v. a. unser u. s. w. u. s. w.: शार्ङ्गमिश्राः (s. d.), भावमिश्र (s. d.), शार्ङ्गविद्गमिश्राः Hochgeehrte, Gelehrte u. s. w. u. s. w. VIKR. 3, 12. MĀLATĪ. 2, 16, 17, v. l. Häufig auch im sg. am Ende und am Anfange von Personennamen, insbes. von Gelehrten, als Ehrenbezeichnung. Dies ist das मिश्र प्रशंसावचन im gaṇa मतलिकादि zu P. 2, 1, 66. Vgl. असञ्जाति०, कृष्ण०, केशव०, देव०, धीरेश०, बृहस्पति०, भवदेव०, भाव०, भास्कर०, मणि०, माण्डन०, मदन०, मधु०, मरुत्त०, मित्र०, मिस्र०, मोहनदास०, करि०, कर्ष० u. s. w. — c) = मिश्रक mi-schend: धान्य० Korn mischend d. i. verfälschend JĀĒN. 3, 211. — 2) m. a) Bez. einer Art von Elephanten H. 1218. — b) Abkürzung für verschiedene auf मिश्र ausgehende Personennamen, = असञ्जातिमिश्र DHŪRTAS. in LĀ. 95, 9. = माण्डनमिश्र Verz. d. Oxf. H. 240, a, No. 582. Auch volles N. pr. verschiedener Männer Ind. St. 2, 251. HALL 83. Verz. d. Oxf. H. 291, b, 3 v. u. श्री० Verz. d. B. H. No. 938. मिश्राः und मिश्र 823. — 3) n. eine Art Rettig (चाणक्यमूलक) RĀĒAN. im ÇKDR.

मिश्रक 1) adj. (von मिश्र) vermisch, miscellan सु०. 4, 8, 17, 9, 20, 131, 12. °चिकित्सित 2, 149, 8. VARĀH. BRH. S. 86 in der Unterschr. Verz. d. B. H. 258, 26. No. 873. 896. 979. Verz. d. Oxf. H. 123, a, 20. 195, a, 31. 320, b, 5. 324, a, 32. 336, b, 14. gemischt, nicht rein: खुरकं मिश्रकं चेति द्विविधं वङ्गमुच्यते 320, b, 5. गुणस्थान Bez. der 3ten unter den 14 Stufen, die nach dem Glauben der Ġaina zur Erlösung führen, 397, a, 10. — 2) nom. ag. (von मिश्रय्) Mischer, Verfälscher von Korn u. s. w. M. 11, 50. — 3) n. a) Steppensalz RĀĒAN. im ÇKDR. — b) N. pr. eines Tirtha MBh. 3, 6061. fg. तत्र तीर्थानि रत्नेन्द्र मिश्रितानि मरुत्तमना 6061. — c) N. pr. eines Götterhains (vgl. मिश्रकावण) TRIK. 1, 1, 65. Verz. d. Oxf. H. 191, a, 38.

मिश्रकावण (मिश्रक + वन) n. P. 3, 4, 4 und gaṇa कोटरादि zu P. 6, 3, 117. N. von Indra's Lusthaine Verz. d. Oxf. H. 191, a, 38. fälschlich °वन TRIK. 1, 1, 61. VĪJUP. 103. LALIT. ed. Calc. 49, 1, 94, 5.

मिश्रकेशव (मिश्र + के०) m. N. pr. eines Autors. = केशवदास Verz. d. Oxf. H. 398, b, No. 152.

मिश्रकेशी (मिश्र + केश) f. N. pr. einer Apsaras MBh. 1, 2557. 3698. 4817. 4, 259. HARIV. 8452. 12471. 14162. R. 2, 91, 17, 45. ÇĀK. 79, 1, v. l. BHĀG. P. 9, 24, 42. BRAHMA-P. in LĀ. (II) 50, 19.

मिश्रचतुर्भुज (मिश्र + च०) m. N. pr. eines Mannes Ind. St. 2, 243. 417.

मिश्रज (मिश्र + 1. ज) m. Maulthier (von gemischten Eltern geboren) RĀĒAN. im ÇKDR.

मिश्रजाति (मिश्र + जा०) adj. von gemischter Herkunft, dessen Eltern zu verschiedenen Kasten gehören H. 895.

मिश्रण (von मिश्रय्) n. 1) das Mischen, Mischung कृत्. Ç. 5, 10, 11.

v Theil.

DHĀTUP. 24, 23. Schol. bei WILSON, SĀMĀHJAK. S. 43. झ० SĀH. D. 15. 9. रतैः सह (so die v. l.) वाञ्छिम्रणम् so v. a. Unterhaltung PRAB. 20, 19. — 2) Addition COLEBR. Alg. 5.

मिश्रता (von मिश्र) f. das Vermischtsein, Vermischung MBh. 12, 11438. R. GORR. 1, 38, 14.

1. मिश्रधान्य (मिश्र + धा०) n. vermischte Körnerfrucht: त्रीह्रियव-गोधूमोपवाकतिलप्रियङ्गुश्यामाका इति मिश्रधान्यानि का०. 8. — Vgl. मिश्रधान्यः

2. मिश्रधान्य (wie eben) adj. aus verschiedenen Körnern gemischt: यौ ते चक्रुर्मे पात्रे यौ चक्रुर्मिश्रधान्ये AV. 5, 31, 1.

मिश्रपुष्पा (मिश्र + पुष्प) f. Trigonella Foenum graecum (मेथिका) RĀĒAN. im ÇKDR.

मिश्रभाव (मिश्र + भाव) m. N. pr. eines Mannes, = भावमिश्र und भाव Verz. d. Oxf. H. 309, b, No. 743. Verz. d. Kop. H. 105, a.

मिश्रय् (von मिश्र), °यति 1) mischen, vermengen, vermischen mit (instr.) P. 3, 1, 21. DHĀTUP. 35, 67. कृत्. Ç. 10, 4, 7. MBh. 1, 3223. 5724. HARIV. 7803. 7864. अश्वानृत्तसवर्णाश्च (so die neuere Ausg.; vgl. u. व्या) हंसवर्णैः सुवाङ्मिभिः (so die neuere Ausg.) | मिश्रयन्समेरे 13301. वाचं न मिश्रयति यद्यपि मे वचोभिः ÇĀK. 30. partic. मिश्रित gemischt, vermischt mit MBh. 3, 6061. सु०. 2, 437, 13. कञ्जलं तैलमिश्रितम् KATHĀS. 4, 47, 39, 12. PANĀT. 213, 2. तद्वस्तु भुक्तं विप्रेण कृष्णैवेद्यमिश्रितम् PANĀT. 1, 2, 74.

ते ऽपि सर्वे नियोक्तव्या मिश्रिता वेदपारगैः MBh. 3, 13368. 7, 3594. R. 1, 54, 20. BHĀG. P. 6, 9, 39. आलापो ऽपि न मिश्रितः Spr. 524, v. l. durch-

einander gemischt, von einem Geschmacke VARĀH. BRH. S. 2, 14. मिश्रिता (संक्रान्तिः) चैव विज्ञेया मिश्रितैस्तु संक्रमे TITĪHĀDIT. im ÇKDR.

— 2) addiren SŪRJAS. 2, 15, 3, 16.

— व्यति vermischen mit, mischen unter (instr.): कृपानश्चैर्द्रोणास्य व्यत्यमिश्रयत् MBh. 7, 3593.

— अनु untermischen: विनेडु शक्रवाकाश्च वायसैरनुमिश्रिताः R. 6, 75, 38.

— व्या vermengen mit, mischen unter: अश्वानृत्तसवर्णाश्च हंसवर्णैर्हयो-त्तमैः | व्यामिश्रयद्रपो MBh. 7, 5440. 8773, wo mit der ed. Bomb. ऽथ तस्याश्वान् st. रथस्याश्वान् zu lesen ist.

— वि unter einander mengen: वायुभूतः स वस्त्राणि सर्वाण्येव व्यमिश्रयत् MBh. 1, 3282. partic. °मिश्रित vermengt, untermischt mit, begleitet von: जिघ्राणो ऽस्य वसागन्धं सर्पिर्जतुविमिश्रितम् MBh. 1, 5781. गिरिप्रन्नवर्षीर्यद्वैरिकादिविमिश्रितैः (so die ed. Bomb.) 6, 3441. तीरवृत्तप्र-

बालैश्च पद्मोत्पलविविमिश्रितैः R. GORR. 2, 12, 7. 6, 113, 18. MBh. 4, 294, 13, 4738. सशिविचातकदर्डरनिःस्वनैर्यदि विमिश्रितमन्द्रपटुस्वनाः (सलिलदाः) VARĀH. BRH. S. 24, 19. R. 5, 13, 1. (सभाम्) षट्पदोद्गीतमधुरा (°निनदा die neuere Ausg.) सामगोतविविमिश्रिताम् gehört dem Sinne nach zu उ-

द्गीत oder निनद) HARIV. 14038. एतस्मिन्नसरे शब्दे भेरिशङ्खविविमिश्रितः | राघवस्याभवत्सैन्ये R. 6, 10, 35. तेषां तत्र कथा दिव्या धर्मिष्ठाश्चाभवन्नप | ऋषीणां च पुराणानां देवासुरविविमिश्रिताः so v. a. Geschichten von alten Weisen und von Göttern und Dämonen (vom Kampfe der Götter mit den Dämonen) MBh. 13, 779.

— सम्, partic. °मिश्रित vermengt, untermischt mit (instr.) MBh. 7, 7309. — Vgl. संमिश्राण.

— प्रतिसम्, partic. °मिश्रित mit einem Andern verbunden, an etwas

— प्रतिसम्, partic. °मिश्रित mit einem Andern verbunden, an etwas

— प्रतिसम्, partic. °मिश्रित mit einem Andern verbunden, an etwas

— प्रतिसम्, partic. °मिश्रित mit einem Andern verbunden, an etwas

— प्रतिसम्, partic. °मिश्रित mit einem Andern verbunden, an etwas